जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

अजमेर

Rashtradoot

फोनः- 2627612, 2427249 फैक्सः- 0145-2624665 वर्षः 26 संख्याः 204 प्रभात अजमेर, बुधवार 23 फरवरी, 2022 आर.जे./ए.जे./73/2015-2017 पृष्ठ 8 मूल्य 2.00 रु.

पी-22 नाम का माउन्टेन लायन लॉस एंजिल्स शहर में सैलिब्रिटी माना जाता है। हालीवुड हिल्स के ग्रिफिथ पार्क में रहने वाले पी-22 (पी यानि पूमा) से प्रेरणा लेकर कई भित्तिचित्र, गीत बन चुके हैं और उसके जीवन पर एक प्रदर्शनी भी लग चुकी है। आज से दस साल पहले, दस फरवरी को जब वैज्ञानिक इस क्षेत्र में कैमरा ट्रैप लगा रहे थे तब उन्हें पी-22 नजर आया था। कैलिफोर्निया के नैशनल वाइल्ड लाइफ फैडरेशन के डायरैक्टर बैथ प्रैट ने कहा कि "लंबे समय से लोग इस शहर को धुँएं से भरा काँकरीट का जंगल कहकर कोसते रहे हैं पर पी-22 ने यहां बसेरा कर सबको गलत साबित कर दिया।" प्रैट ने तो अपने शरीर पर पी-22 का गोदना (टैटू) भी बनवा रखा है। उन्होंने ही इसे माउन्टेन लायन्स का "ब्रैड पिट" नाम दिया, क्योंकि यह बहुत खूबसूरत और रहस्यमय है और प्रेम के क्षेत्र में दुर्भाग्यशाली है। यहां जंगल में भोजन प्रचुर मात्रा में है और कोई नर प्रतिस्पर्धी भी नहीं है। लेकिन, अफसोस, कोई मादा भी नहीं है, जिसके साथ यह जोड़ा बना सके। प्रैट कहते हैं कि देश के किसी अन्य भाग में यह होता तो अब तक इसे मार दिया जाता या भगा दिया जाता पर लॉस एंजलिस में यह "फेमस" है। पी-22 का जन्म सन् 2010 में सैंटा मोनिका माउन्टेन में हुआ था, जहां लगभग 100 माउन्टेन लायन हैं। इसलिए संभवतः इसे नए आवास की तलाश के लिए निकलना पड़ा। सन् 2012 में इसने सैंटा मोनिका माउन्टेन्स को छोड़ा और 50 मील लम्बी यात्रा कर ग्रिफिथ पार्क पहुंचा और यहीं बस गया। फ्रैंड्स ऑफ ग्रिफिथ पार्क नामक संगठन के अध्यक्ष गैरी हैन्स को आज भी वो दिन याद है जब उन्होंने पहली बार पी-22 को देखा था। वे अपनी टीम के साथ, क्षेत्र में जंगली जानवरों का पता लगाने के लिए कैमरा ट्रैप लगवा रहे थे। लेकिन जब कोयोटी, बॉबकैट और लोमड़ी जैसे जीवों के साथ-साथ माउन्टेन लायन भी नजर आया तो सब हतप्रभ हो गए। पी-22 सन् 2014 में उस समय सुर्खियों में आया था जब वो एक ऐसे मरे हुए जानवर को खाकर बीमार हो गया जो चूहे मारने का जहर खाकर मरा था। इसके बाद काफी विरोध हुआ और अक्टूबर 2020 में तो, चूहा मारने की इस खतरनाक दवा के इस्तेमाल पर कानूनी रोक लगा दी गई। इसके बाद सन् 2016 में इसने लॉस एंजलिस ज़ू की आठ फीट दीवार फांद कर सोते हुए कोआला को मार दिया। अब यह माउन्टेन लायन, विकास की वजह से विखंडित जंगलों को जोड़ने के लिए वाइल्डलाइफ क्रॉसिंग बनाने की जरूरत का प्रतीक बन गया है। ज्ञातव्य है कि, लॉस एंजलिस में विश्व का सबसे बड़ा वॉइल्ड लाइफ क्रॉसिंग बनने जा रहा है, जिससे अन्य माउन्टेन लायन भी बेखौफ आ-जा सकेंगे।

नीतीश कुमार ने अपना नाम चलवाया देश के अगले राष्ट्रपति के रूप में?

क्या यह इस बात का संकेत है कि, देहरादून, पणजी व लखनऊ में भाजपा का भविष्य अंधकारमय दिख रहा है, राजनीतिज्ञों को?

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 22फरवरी। उत्तर प्रदेश में अभी चार चरणों का मतदान शेष है जिसमें 231 सीटों पर मतदान होना है। इसके साथ ही उत्तराखण्ड, गोवा और पंजाब में पहले ही मतदान सम्पन्न हो गया है। धीरे-धीरे यह सुस्पष्ट होता जा रहा है कि देहरादून, पणजी और लखनऊ में भाजपा की राजनीतिक संभावनाए गर्दिश में हैं। संभावनाओं पर घने बादल छा गए हैं और चण्डीगढ़ में भी उसकी संभावनाएं नहीं के बराबर हैं।

उत्तर प्रदेश में चुनाव के तीन चरणों में अब तक हुए मतदान में जिन 172 विधानसभा सीटों के लिए वोट डाले जा चुके हैं, वहां से प्राप्त जमीनी खबरें बताती हैं कि उनमें भाजपा को भारी नुकसान हो रहा है। भाजपा ने वर्ष 2017 के विधानसभा चुनाव में इन क्षेत्रों की172 सीटों में से 140 पर जीत दर्ज की थीं। अनुभवी पर्यवेक्षक कह रहे है कि सपा-राष्ट्रीय लोकदल (आर.एल.डी.) गठबंधन के मुकाबले भाजपा 50 सीटे जीतने की स्थिति में भी नहीं है।

तथापि, इसकी एक अंतिम और स्पष्ट तस्वीर तभी सामने आएंगी 10 मार्च को मतगणना होगी, लेकिन विरोधी खेमे के माहौल और कार्यवाहियों को देखते हुए यह कहा जा सकता है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली भाजपा के लिए आगामी महीनों में मुसीबतें कई गुना बढ़ने वाली हैं।

- **महाराष्ट्र सरकार में मंत्री व एन.सी.पी.के प्रवक्ता नवाब मलिक ने नीतीश के प्रयास को गंभीरता से लेते हुए कहा, विपक्ष की ओर से राष्ट्रपति पद का उम्मीदवार बनने से पहले नीतीश, भाजपा से अपने संबंध विच्छेद करें।**
- **भाजपा अपना एड़ी से चोटी तक का जोर लगाकर, आशा कर रही है कि, वह किसी तरह यू.पी. में सरकार बना ले। पर इसकी संभावना कम होती जा रही है, सपा के कार्यकर्ताओं के मनोबल के सामने।**
- **नवाब मलिक ने कहा, भाजपा यू.पी. में 150 सीटों पर सिमट जायेगी।**
- **यहां यह भी उल्लेखनीय है कि, नीतीश कुमार ने विपक्ष की ओर से राष्ट्रपति पद का उम्मीदवार बनने का इरादा, प्रशांत किशोर की सलाह पर बनाया है।**

आगामी 10 मार्च के बाद भाजपा के साथ क्या होगा, उसका एक ट्रेलर बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के एक प्रेरित कदम से देखा जा सकता है। कुमार ने इच्छा जतायी है कि वे विपक्ष के राष्ट्रपति उम्मीदवार बनना चाहते हैं। उन्होंने यह कदम चुनाव रणनीतिकार प्रशांत किशोर से विचार-विमर्श करने के बाद उठाया है।

बिहार के मुख्यमंत्री की इस पहल को तब और तवज्जो मिली जब महाराष्ट्र के मंत्री एवं एन.सी.पी. प्रवक्ता नवाब मलिक ने आज कहा कि देश के अगले राष्ट्रपति के लिए विपक्ष के उम्मीदवार के बारे में कोई भी निर्णय विभिन्न पार्टियों के नेता सामूहिक रूप से लेंगे और इस पद के लिए बिहार के मुख्यमंत्री के नाम पर तभी विचार किया जाएगा, जबकि उनकी पार्टी जे.डी. (यू.) भाजपा के साथ अपने संबंध विच्छेद कर ले।

मलिक ने यहां संवाददाताओं से बातचीत करते हुए दावा किया कि चुनाव प्रक्रिया से गुजर रहे पांचों राज्यों- उत्तर प्रदेश, उत्तराखण्ड, पंजाब, गोवा और मणिपुर में भाजपा को पराजय का सामना करना पड़ेगा और 403 सदस्यीय उत्तर प्रदेश विधानसभा में उसे 150 से भी कम सीटें मिलेंगी।

उन्होंने तेलंगाना के मुख्यमंत्री के. चन्द्रशेखर राव और पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की मुम्बई में महा विकास अगाड़ी (एम.वी.ए.) के शीर्ष नेताओं से मुलाकात का उल्लेख करते हुए आगे कहा कि वर्ष 2024 के लोक सभा चुनावों से पूर्व राष्ट्रीय स्तर पर एक भाजपा विरोधी मोर्चे के गठन की प्रक्रिया शुरु कर दी गई है।

उन्होंने कहा कि विपक्षी पार्टियों के सामूहिक नेतृत्व के अधीन इस मोर्चे का गठन किया जाएगा। उन्होंने आगे यह भी कहा कि कांग्रेस के बिना ऐसे मोर्चे का गठन नहीं किया जा सकता।

मलिक ने एक सवाल के जवाब में कहा कि इस वर्ष के अन्त में हो रहे राष्ट्रपति चुनाव को लेकर "ऐसी खबरें हैं कि इनमें नीतीश कुमार को विपक्ष का उम्मीदवार बनाया जा रहा है।

मलिक ने कहा कि "इस पर तब तक कोई विचार नहीं किया जा सकता,

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

राहुल गांधी व नरेन्द्र मोदी का एक सा व्यवहार है यू.पी. के चुनाव के प्रति!

राहुल कुछ घण्टों के लिये यू.पी. गये, वाराणसी में रवि दास जयन्ती पर गुरुद्वारे में भोजन परोसने

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 22फरवरी। उत्तर प्रदेश के चुनावों को लेकर राहुल गांधी एवं नरेन्द्र मोदी की अनोखी तुलनात्मक दास्तान!

राहुल गांधी ने प्रचार के लिये उत्तर प्रदेश जाने का जोखिम नहीं उठाया है तथा प्रचार की पूरी जिम्मेदारी प्रियंका गांधी के भरोसे छोड़ दी है, ताकि वे कांग्रेस के झंडे को फहराती रहें। वे रविदास जयन्ती के अवसर पर चन्द घंटों के लिये वाराणसी गये थे, जहाँ भाई-बहिन ने गुरुद्वारे में भोजन परोसा था।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भी उत्तर प्रदेश से दूर ही बने रहे हैं। उन्होंने पहले तीन चरणों में प्रचार नहीं किया, जहाँ भाजपा को औसत से कम प्रदर्शन की आशा है।

- **प्र.मंत्री मोदी भी यू.पी. में चौथे राउण्ड में पहुंचे, क्योंकि यह माना जाता है कि, चौथे चरण के बाद से भाजपा उन्मुख क्षेत्र आरम्भ होता है।**
- **पर, जमीनी रिपोर्ट्स के अनुसार, इन क्षेत्रों में भाजपा की हालत ज्यादा आरामदेह नहीं है।**
- **इस क्षेत्र में अमित शाह को भी हूटिंग के कारण, अपना रोड-शो, एक किलोमीटर बाद त्यागना पड़ा था। तथा दो दिन बाद स्मृति ईरानी चुनाव प्रचार करने आयीं, उनको भी हूटिंग का सामना करना पड़ा था, तथा उनके हाथ से माइक छीन लिया गया था। इसी प्रकार रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को भी, जनता ने आड़े हाथ लिया, बेरोजगारी की स्थिति को सुलझाने में योगदान नहीं करने के कारण।**
- **कांग्रेस व भाजपा की हालत एक सी ही है यू.पी. में, पर, कांग्रेस के लिये संतोष की बात यह है कि, वह वैसे भी सत्ता में नहीं है वहीं, भाजपा के हाथ से सत्ता निकलती ही नजर आ रही है।**

प्रधानमंत्री ने केवल चौथे चरण तथा उससे आगे के चरणों के लिये प्रचार करना शुरु करके अपनी व्यावहारिक समझ का परिचय दे दिया है। उन्होंने कहा है कि अवध क्षेत्र, जहाँ 59 सीटों के लिये कल चुनाव होना है, भाजपा का गढ़ है। लेकिन जमीनी रिपोर्ट बता रही हैं कि अवध और पूर्वी उत्तर प्रदेश- दोनों

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

लिखित परीक्षा?

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 22फरवरी। सर्वोच्च न्यायालय ने मंगलवार को उस याचिका की सुनवाई के लिये बुधवार की तारीख दे दी, जिसमें सैन्ट्रल बोर्ड ऑफ सैकण्डरी एजुकेशन (सी.बी.एस.ई.) तथा अन्य राज्यों के शिक्षा बोर्डों की परीक्षा ऑफ लाइन कराये जाने की व्यवस्था को रद्द किये जाने की माँग

- **सुप्रीम कोर्ट के समक्ष प्रस्तुत याचिका में गुज़ारिश की गयी है कि, दसवीं व बारहवीं कक्षा की परीक्षा रद्द की जाये। सुप्रीम कोर्ट ने याचिका पर एमरजैंसी सुनवायी करने की व्यवस्था की है।**

की गई। अदालत ने बुधवार की तारीख ठाणे-निवासी चाइल्ड ऐक्टिविस्ट वकील अनुभा श्रीवास्तव साहनी के वकील की अपील पर दी।

मुख्य न्यायाधीश एन.वी. रमना ने उक्त वकील को सोमवार को निर्देश दिये

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

करोना की "ऑन लाइन" जांच करने वाली कम्पनियों का काम अब अन्ततोगत्वा रैगुलेट होगा!

दिल्ली हाई कोर्ट ने इस मुतल्लिक मजबूत आदेश पारित किये

-यादवेन्द्र शर्मा-

जयपुर, 22 फरवरी। दिल्ली हाई कोर्ट ने "इंडियन काउंसिल ऑफ मेडीकल रिसर्च" (आई.सी.एम.आर.) को आदेश दिये हैं कि वह "ऑनलाईन एग्रीगेटर्स", (यानि वह कंपनियां जो करोना की ऑन लाइन जांच करने का दावा करती है) उन कंपनियों द्वारा टैस्ट के "सैम्पल कलेक्शन, स्टोरेज और टैस्ट करने की प्रक्रिया की गुणवत्ता तय करने के लिए मानक तय करे और फिर एक हफ्ते के भीतर अपनी वैबसाईट पर इन मानकों को प्रकाशित करे।

न्यायाधीश नज़मी वज़ीरी ने यह आदेश, डॉक्टर रोहित जैन द्वारा दायर की गई जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए दिये थे। डॉक्टर रोहित जैन जयपुर के निवासी हैं।

याचिकाकर्ता रोहित जैन की और से अधिवक्ता शशांक देव सुधि अदालत में पैरवी के लिए पेश हुए थे। उन्होंने अदालत को कहा कि दिल्ली सरकार द्वारा करोना की जांच का दावा करने वाली "ऑन लाइन" कम्पनियों की निगरानी रखने और उनके द्वारा किये गये टैस्ट की गुणवत्ता की जांच करने के लिए कोई कदम नहीं उठाने जा रहे हैं। उन्होंने अदालत को कहा कि कई "ऑन लाइन एग्रीगेटर" कम्पनियाँ दिल्ली की परीसीमा से बाहर स्थित हैं, परन्तु वह दिल्ली के भीतर, बिना किसी संस्था या विभाग की निगरानी के कार्य कर रही हैं।

- **दिल्ली हाई कोर्ट ने टिप्पणी की कि, यह कम्पनियां कैसे सैम्पल लेती हैं, कैसे टैस्ट करती हैं और इन कम्पनियों के पास टैस्ट करने के लिए पर्याप्त प्रशिक्षित या शिक्षित लोग हैं कि नहीं, इसका सही जवाब कहीं से भी नहीं मिलता।**
- **अतः दिल्ली हाई कोर्ट ने अब पहल करके इन टैस्टिंग एजेन्सीज़ को रैगुलेट करने के आदेश पारित किये और आई.सी.एम.आर. को इन कम्पनियों की टैस्टिंग प्रक्रिया को प्रमाणित करने के लिए मानदण्ड तय कर, एक हफ्ते में अपनी वैबसाइट पर प्रकाशित करने के आदेश दिये हैं।**

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

मुम्बई के पूर्व पुलिस कमिश्नर

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 22 फरवरी। इस भ्रष्टाचार-विवाद, जिसमें वरिष्ठ पुलिस अधिकारी तथा राज्य के पूर्व गृहमंत्री अनिल देशमुख लिप्त हैं, को "मैसी स्टेट ऑफ अफेयर्स" का संज्ञा देते हुये, सर्वोच्च न्यायालय ने मंगलवार का महाराष्ट्र पुलिस को आदेश दिये कि वह मुम्बई के पूर्व पुलिस कमिश्नर परमबीर सिंह के खिलाफ कोई कार्यवाही नहीं करें।

- **सुप्रीम कोर्ट ने महाराष्ट्र पुलिस को पाबंद किया कि, पूर्व कमिश्नर परमबीर सिंह के खिलाफ कोई कार्यवाही न करे।**

न्यायमूर्ति संजय किशन कौल तथा एम.एम. सुन्द्रेश की बैंच ने कहा कि बैंच जल्दी ही यह निर्णय लेगी कि सिंह के खिलाफ सभी केसों की सीबीआई जाँच कराई जाये या नहीं। इधर महाराष्ट्र सरकार ने कहा है कि सारे केस केन्द्रीय एजेंसी (सीबीआई) को नहीं सौंपे जा सकते है।

पुतिन ने इतिहास, बल्कि सांस्कृतिक इतिहास का सहारा लिया यूक्रेन पर कब्जा जमाने के लिये

पुतिन ने कहा, यूक्रेन तो, एक "फिक्शन" (तथ्यों से परे सृजित कहानी) है जो कम्युनिस्ट नेताओं ने रची थी, अपनी "थ्योरी" को सही बताने के प्रयास में

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 22 फरवरी। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन यूक्रेन की भूमि पर अपने देश के कब्जे को न्यायोचित ठहराने के लिए इतिहास और उससे भी अधिक सांस्कृतिक इतिहास पर भरोसा कर रहे हैं।

पुतिन ने यूक्रेन और रूस के ऐतिहासिक और सांस्कृतिक संबंधों का स्मरण करते हुए उसके खिलाफ अपनी सभी कार्रवाईयों पर उठी आपत्तियों को दरकिनार कर दिया हैं।

उन्होंने रूस और पूर्वी दिशा के उसके पड़ोसी के बीच के सांस्कृतिक संबंधों को याद करते हुए यूक्रेन को हड़पने की अपनी योजनाओं के प्रति शर्मिंदा होना बन्द कर दिया है। दो पृथक प्रांतों दनयस्क और लुहान्स्क को मान्यता प्रदान करते हुए पुतिन ने अपने एक भाषण में इस पर जोर दिया कि यूक्रेन हमेशा से महान रूसी साम्राज्य का एक हिस्सा रहा है।

वास्तव में रूस के कई महान लेखक और बुद्धिजीवी यूक्रेन मूल के थे और बाद में ये लोग देश की पूर्व राजधानी सैन्ट पीटर्सबर्ग में चले गए थे।

देश की राजधानी को उत्तरी शहर में शिफ्ट करने वाले रूसी सम्राट पीटर द ग्रेट ने इस शहर की बसावट मॉस्को और कॉसैक्स की देहाती परम्पराओं की बजाए फ्रांस और फ्रैन्च शैली से की थी।

- **पुतिन ने जाने माने साम्यवादी नेता, लैनिन व स्टालिन को भी नहीं बख्शा, यूक्रेन पर कब्जा जमाने के लिये प्रस्तुत तर्कों में।**
- **पुतिन ने यूक्रेन के बगावती प्रदेश, दनयस्क व लूहान्स्क को मान्यता प्रदान करते हुए कहा, "हमें किसी की भी स्वीकृति लेने की क्या आवश्यकता है, उसे प्राप्त करने के लिये जो "शुरु से हमारा ही था।"**
- **पर यूरोप पुतिन के इन विचारों से पूर्णतया असहमत है। जर्मनी ने रूस के महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट, गैस-पाइन लाइन पर काम रूकवा दिया है। ब्रिटेन ने, रूस के पांच बैंक व हाई-नैट-वर्थ व्यक्तियों के खाते सीज़ कर लिये हैं। ये व्यक्ति रूस के राष्ट्रपति के निकटस्थ प्राणी माने जाते हैं। बड़े स्पोर्टस इवैन्ट, जिनका रूस में आयोजित होना काफी समय से निश्चित था, को अब रूस के बाहर शिफ्ट कर रहे हैं यूरोपीय देश।**

पुतिन ने अपने भाषण में कहा कि यूक्रेन की अलग पहचान एक कोरी कल्पना है और इस कल्पना को साम्यवादी नेताओं के दौर में एक राष्ट्रीयता सृजित करने के लिए की गई थी।

लगता है कि उन्होंने लेनिन और स्टालिन जैसे उन महान कम्युनिस्ट नेताओं की भी भर्त्सना कर दी है, जिन्होंने उप राष्ट्रीयता और राष्ट्रीयताओं को लेकर किए गए अपने शोध के समर्थन में इन क्षेत्रों को अलग किया था। पुतिन ने कहा कि "जो हमारा है, उसे पुनः प्राप्त करने के लिए हमें किसी की अनुमति लेने की जरूरत क्यों होनी चाहिए।" लेकिन पुतिन जो भी सोचते हैं,

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

अरब पैसा स्विस बैंकों में

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली 22 फरवरी। स्विट्ज़रलैंड के बैंक "क्रेडिट सुईस" से लीक हुए डेटा ने मध्य पूर्व क्षेत्र की अनेक ताकतवर हस्तियों के निजी धन

- **न्यूयॉर्क टाइम्स में प्रकाशित खबर के अनुसार खाड़ी देशों के शासकों के अरबों डॉलर जमा पाये गये क्रेडिट स्वीस बैंक में। अखबार के अनुसार इससे यह साबित हुआ कि, इन देशों में शासक व सरकार में फर्क नहीं के बराबर है।**

के पूरी तरह खोल दिये हैं तथा "सेल्फ-डीलिंग" को लेकर अनेक नये प्रश्न खड़े हो गये हैं।

न्यूयार्क टाइम्स कहता है कि लीक

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)